चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	15.10.2020	03	02-06

विदेशियों को भी भाया वर्चुअल कृषि मेला

एचएयू में चल रहे मेले से 56 हजार लोग जुड़े यूएसए, चीन और इंडोनेशिया के 370 नागरिक पहुंचे

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित दो दिवसीय कृषि मेला का बुधवार को समापन हुआ। दो दिनों में 56 हजार लोग एचएयू के कृषि मेला की वेबसाइट के जरिए जुड़े। कृषि मेला में यूएसए, चीन व इंडोनेशिया से 370 लोगों ने प्रतिभाग किया है। समापन कार्यक्रम में डिप्टी स्पीकर रणबीर गंगवा बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि गिरते भूमिगत जल स्तर व कम होती जमीन की उर्वरा शक्ति को बचाने के लिए किसानों को टपका सिंचाई व फसल विविधिकरण को अपनाना होगा। ऐसा करने से एक ओर जहां पानी की बचत होगी, वहीं दूसरी ओर किसान को आर्थिक फायदा भी होगा और पर्यावरण भी सुरक्षित रहेगा।

पर्यावरण बचाने के लिए पराली न जलाएं किसान

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने किसानों से आह्वान किया कि वे पर्यावरण को बचाने के लिए पराली न जलाएं। अंतरराष्ट्रीय स्तर के बाजार को ध्यान में रखकर फसलों का उत्पादन करें व गुणवत्ता का ध्यान रखें, ताकि उनको फसल का उचित मूल्य मिल सके। उन्होंने विज्ञानियों से आह्वान किया कि वह ऐसी किस्में विकसित करें, जिनमें पोषक तत्व अधिक से अधिक हों।

वर्चुअल कृषि मेले के समापन अवसर पर संबोधित करते हरियाणा विधानसभा के उपाध्यक्ष रणबीर सिंह गंगवा। कार्यक्रम में वीसी प्रोफेसर समर सिंह व अन्य। ● पीआरओ।

मेले की वेबसाइट को मिले डेढ़ लाख से अधिक व्यूज

विस्तार शिक्षा निदेशालय के सह-निदेशक(किसान परामर्श केंद्र)डा. सुनील ढांडा ने बताया कि इस वर्चुअल कृषि मेले में करीब 32 हजार किसानों ने अपने मोबाइल नंबर के माध्यम से पंजीकरण करवाया। हालांकि बाद में बिना मोबाइल नंबर के भी वेबसाइट को सबके लिए ओपन कर दिया गया था, जिसमें अधिक से अधिक किसान शामिल हुए। इस मेले में देश-विदेश से भी किसान शामिल हुए, जिसमें यूएसए, चीन व इंडोनेसिया के 370 लोग शामिल हुए।

यह रहे मौजूद

वर्चुअल कृषि मेले के समापन अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति के विशेष कार्यकारी अधिकारी डा. एमएस सिद्धपुरिया, कुलसचिव डा. बीआर कंबोज, विस्तार शिक्षा निदेशक डा. आरएस हुड्डा, अनुसंधान निदेशक डा. एसके सहरावत, चीफ इंजीनीयर भूपेंद्र सिंह, डा. राजवीर सिंह, डा. सीमा रानी, विस्तार शिक्षा निदेशालय के सह-निदेशक (किसान परामर्श केंद्र) डा. सुनील ढांडा सहित सभी कृषि विज्ञान केंद्रों के इंचार्ज व विभागाध्यक्ष मौजूद रहे। इस कार्यक्रम में देश व विदेश से किसान ऑनलाइन रूप से शामिल हुए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	15.10.2020	01	01-04

आपदा में अवसर • भविष्य में फिजिकली के साथ वर्चुअल मेला भी आयोजित करेगा एचएयू

एचएयू वर्चुअल कृषि मेले ने पीएयू का तोड़ा रिकॉर्ड दो दिन में साइट पर 1. 60 लाख से अधिक हिट्स

महबूब अली | हिसार

एचएयू के पहले वर्चुअल कृषि मेले ने कीर्तिमान स्थापित किया है। देश के दूसरे वर्चुअल कृषि मेले को लुधियाना में पीएयू के कृषि मेले से भी अधिक व्यूज मिले। दो दिन में देखने वालों की संख्या डेढ़ लाख पहुंच गई। एचएयू के पदाधिकारियों का दावा है कि लुधियाना की पंजाब एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी के वर्चुअल कृषि मेले को दो दिन से डेढ़ लाख से कम व्यूज मिले। एचएयू के अधिकारियों ने पीएयू में ही वर्चुअल मेला आयोजित कराने की ट्रेनिंग ली थी। यही नहीं दो दिन में मेले में शामिल होने के लिए एचएयू की वेबसाइट पर 32 हजार से अधिक किसानों ने रजिस्ट्रेशन कराया। एचएयू के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह का कहना है कि मेले में यूएसए, चीन व इंडोनेसिया के करीब 370 लोग शामिल हुए। अब भविष्य में फिजिकली के साथ वर्चुअल मेला भी कराने का निर्णय लिया है।

हिसार. वर्चुअल कृषि मेले के समापन पर कार्यक्रम में वीसी प्रो. समर सिंह, डॉ. आर. एस. हुड्डा, डॉ. एस.के. सहरावत व अन्य।

ये रहे कार्यक्रम में मौजूद

वर्चुअल कृषि मेले के समापन पर वीसी के विशेष कार्यकारी अधिकारी डॉ. एमएस सिद्धपुरिया, कुलसचिव डॉ. बीआर कंबोज, विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आरएस हुड्डा, अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत, चीफ इंजीनियर भूपेंद्र सिंह, डॉ. राजवीर सिंह, डॉ. सीमा रानी, विस्तार शिक्षा निदेशालय के सह-निदेशक (किसान परामर्श केंद्र) डॉ. सुनील ढांडा, एसोसिएट डायरेक्टर डॉ. कृष्ण यादव, डॉ. आरएस ढिल्लो, डॉ. देविंद्र कुमार मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	15.10.2020	04	03-06

फसल चक्र अपनाएं किसान : रणबीर गंगवा

एचएयू का दो दिवसीय वर्चुअल कृषि मेला संपन्न, मेले में करीब 32 हजार किसानों ने किया पंजीकरण

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। गिरते भूमिगत जल स्तर व कम होती जमीन की उर्वरा शक्ति को बचाने के लिए किसानों को टपका सिंचाई व फसल विविधिकरण को अपनाना होगा। ऐसा करने से एक ओर जहां पानी की बचत होगी, वहीं दूसरी ओर किसान को आर्थिक लाभ भी होगा और पर्यावरण भी सुरक्षित रहेगा। यह बात हरियाणा विधानसभा के उपाध्यक्ष रणबीर सिंह गंगवा ने कही।

वे बुधवार को चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित देश के दूसरे व प्रदेश के पहले वर्चुअल कृषि मेले के समापन अवसर पर बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने किसानों से आह्वान किया कि वे धान की पराली को जलाने की बजाय कृषि वैज्ञानिकों द्वारा बताए गए तरीकों से ही पराली का उचित प्रबंधन करें ताकि पर्यावरण प्रदूषित होने से बचाया जा सके और भूमि की उर्वरा शक्ति भी बनी रहे। विधानसभा उपाध्यक्ष ने किसानों से जैविक खेती व कृषि विविधिकरण अपनाने के साथ-साथ विश्वविद्यालय द्वारा विकसित फसलों व सब्जियों की आधुनिक किस्मों के बीज व तकनीकों को अपनाने पर जोर दिया। उन्होंने किसानों से किसान समूह बनाकर कृषि करने की भी अपील कि ताकि वे हर प्रकार की तकनीक को समूह में अपनाकर लाभ उठा सकें।

विधानसभा के उपाध्यक्ष रणबीर सिंह गंगवा व कार्यक्रम में मौजूद विवि के कुलपति।

मेले की वेबसाइट को मिले डेढ़ लाख से अधिक व्यूज

विस्तार शिक्षा निदेशालय के सह-निदेशक (किसान परामर्श केंद्र) डॉ. सुनील ढांडा ने बताया कि इस वर्चुअल कृषि मेले में एक लाख 56 हजार बार मेले की वेबसाइट को देखा गया और करीब 32 हजार किसानों ने अपने मोबाइल नंबर के माध्यम से पंजीकरण करवाया। हालांकि बाद में बिना मोबाइल नंबर के भी वेबसाइट को सबके लिए ओपन कर दिया गया था, जिसमें अधिक से अधिक किसान शामिल हुए। मेले में यूएसए, चीन व इंडोनेशिया के करीब 370 लोग शामिल हुए।

पर्यावरण बचाने के लिए पराली न जलाएं किसान : प्रो. समर सिंह

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने किसानों से आह्वान किया कि वे पर्यावरण को बचाने के लिए पराली का न जलाएं। वैज्ञानिक तरीके से इसका प्रबंधन करें ताकि भूमि की उर्वरा शक्ति को बनाए रखा जा सके और भूमि में मौजूद मित्र कीटों को बचाया जा सके। इससे पर्यावरण प्रदूषित होने से भी बचाया जा सकेगा।

ये रहे कार्यक्रम में मौजूद : मेले के समापन अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति के विशेष कार्यकारी अधिकारी डॉ. एमएस सिद्धपुरिया, कुलसचिव डॉ. बीआर कंबोज, विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आरएस हुड्डा, अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत, डॉ. सीमा रानी के अलावा कृषि विज्ञान केंद्रों के इंचार्ज व विभागाध्यक्ष मौजूद थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	15.10.2020	02	03-06

टपका सिंचाई व फसल विविधिकरण अपनाएं किसान : गंगवा

एच.ए.यू. के 2 दिवसीय वर्चुअल कृषि मेले का समापन

हिसार, 14 अक्तूबर (ब्यूरो): गिरते भूमिगत जल स्तर व कम होती जमीन की उर्वरा शक्ति को बचाने के लिए किसानों को टपका सिंचाई व फसल विविधिकरण को अपनाना होगा। ऐसा करने से एक ओर जहां पानी की बचत होगी, वहीं दूसरी ओर किसान को आर्थिक फायदा भी होगा और पर्यावरण भी सुरक्षित रहेगा।

ये विचार हरियाणा विधानसभा के उपाध्यक्ष रणबीर सिंह गंगवा ने कहे। वे बुधवार को चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित देश के दूसरे व प्रदेश के पहले वर्चुअल कृषि मेले के समापन अवसर पर बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे।

उन्होंने किसानों से आह्वान किया कि वे धान की पराली को जलाने की बजाए कृषि वैज्ञानिकों द्वारा बताए गए तरीकों से ही पराली का उचित प्रबंधन करें, ताकि पर्यावरण प्रदूषण होने से बचाया जा सके और भूमि की उर्वरा शक्ति भी बनी रहे।विधानसभा उपाध्यक्ष ने किसानों से जैविक खेती व कृषि विविधिकरण अपनाने के साथ-साथ विश्वविद्यालय द्वारा विकसित फसलों व सब्जियों की आधुनिक किस्मों के बीज व तकनीकों को अपनाएं ताकि अधिक से अधिक फसलों से उत्पादन हासिल कर सकें।

वर्चुअल कृषि मेले को ऑनलाइन सम्बोधित करते हरियाणा विधानसभा के उपाध्यक्ष रणबीर सिंह गंगवा व कार्यक्रम में मौजूद कुलपति प्रो. समर सिंह एवं अन्य।

पर्यावरण बचाने के लिए पराली न जलाएं किसान : प्रो. समर सिंह

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह ने मुख्यातिथि का कार्यक्रम में ऑनलाइन रूप से शामिल होने पर स्वागत किया और विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित मेले के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने किसानों से आह्वान किया कि वे पर्यावरण को बचाने के लिए पराली का न जलाएं। वैज्ञानिक तरीके से इसका प्रबंधन करें ताकि भूमि की उर्वरा शक्ति को बनाए रखा जा सके और भूमि में मौजूद मित्र कीटों को बचाया जा सके। इससे पर्यावरण प्रदूषित होने से भी बचाया जा सकेगा। मेले की वैबसाइट को मिले डेढ़ लाख से अधिक व्यूज विस्तार शिक्षा निदेशालय के सह-निदेशक (किसान परामर्श केंद्र) डॉ. सुनील ढांडा ने बताया कि इस वर्चुअल कृषि मेले में में एक लाख 56 हजार बार मेले की वैबसाइट को देखा गया। इस मेले में देश-विदेश से भी अनेक किसान शामिल हुए, जिसमें यू.एस.ए., चीन व इंडोनेशिया के करीब 370 लोग शामिल हुए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि भूमि	15.10.2020	09	07-08

हिसार। वर्चुअल कृषि मेले के समापन अवसर पर हरियाणा विधानसभा के उपाध्यक्ष रणबीर सिंह गंगवा, कार्यक्रम में मौजूद विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह व अन्य।

फसल विविधिकरण व टपका सिंचाई व अपनाएं किसान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

गिरते भूमिगत जलस्तर तथा कम होती जमीन की उर्वरा शक्ति को बचाने के लिए किसानों को टपका सिंचाई व फसल विविधिकरण को अपनाना होगा। ऐसा करने से एक ओर जहां पानी की बचत होगी। वहीं किसान को आर्थिक फायदा भी होगा और पर्यावरण भी सुरक्षित रहेगा। ये विचार हरियाणा विधानसभा के उपाध्यक्ष रणबीर सिंह गंगवा ने कहे। वे बुधवार को हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित देश के दूसरे व प्रदेश के पहले वर्चुअल कृषि मेले के समापन अवसर पर बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। उन्होंने किसानों से आह्वान किया कि वे धान की पराली को जलाने की बजाए कृषि वैज्ञानिकों द्वारा बताए गए तरीकों से ही पराली का उचित प्रबंधन करें ताकि पर्यावरण प्रदूषण होने से बचाया जा सके और भूमि की उर्वरा शक्ति भी बनी रहे। विधानसभा उपाध्यक्ष ने किसानों से जैविक खेती व कृषि विविधिकरण अपनाने के साथ-साथ विश्वविद्यालय द्वारा विकसित फसलों व सब्जियों की आधुनिक किस्मों के बीज व तकनीकों को अपनाएं ताकि अधिक से अधिक फसलों से उत्पादन हासिल कर सकें।

मिले डेढ़ लाख से अधिक व्यूज

विस्तार शिक्षा निदेशालय के सह-निदेशक(किसान परामर्श केंद्र)डॉ. सुनील ढांडा ने बताया कि इस वर्चुअल कृषि मेले में में एक लाख 56 हजार बार मेले की वेबसाइट को देखा गया। उन्होंने बताया कि इस वर्चुअल कृषि मेले के लिए करीब 32 हजार किसानों ने अपने मोबाइल नंबर के माध्यम से पंजीकरण करवाया। हालांकि बाद में बिना मोबाइल नंबर के भी वेबसाइट को सबके लिए ओपन कर दिया गया था, जिसमें अधिक से अधिक किसान शामिल हुए। उन्होंने बताया कि इसके अलावा विश्वविद्यालय के इस वर्चुअल कृषि मेले में वेबसाइट को 56000 बार विजिट किया गया। इस मेले में देश-विदेश से भी अनेक किसान शामिल हुए, जिसमें यूएसए, चीन व इंडोनेशिया के करीब 370 लोग शामिल हुए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक ट्रिब्यून	15.10.2020	03	04-05

हकृवि में वर्चुअल कृषि मेला संपन्न

पराली को न जलाएं किसान : गंगवा

टपका सिंचाई अपनाने की सलाह

हिसार, 14 अक्तूबर (निस)

हकृवि द्वारा आयोजित वर्चुअल वार्षिक कृषि मेले के समापन पर गिरते भूमिगत जल स्तर पर चिंता व्यक्त करते हुए विधानसभा के उपाध्यक्ष रणबीर सिंह गंगवा ने किसानों से आह्वान किया कि गिरते भूमिगत जल स्तर व कम होती जमीन की उर्वरा शक्ति को बचाने के लिए किसानों को टपका सिंचाई व फसल विविधीकरण को अपनाना होगा। ऐसा करने से एक तरफ जहां पानी की बचत होगी, वहीं दूसरी तरफ किसान को आर्थिक फायदा भी होगा और पर्यावरण भी सुरक्षित रहेगा। डिप्टी स्पीकर ने किसानों से आह्वान किया कि किसान धान की पराली को जलाने की बजाय कृषि वैज्ञानिकों द्वारा बताए गए तरीकों से ही पराली का उचित प्रबंधन करें, जिससे पर्यावरण प्रदूषण होने से बचाया जा सके और भूमि की उर्वरा शक्ति भी बनी रहे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह ने किसानों का आह्वान किया कि किसान पर्यावरण को बचाने के लिए पराली को न जलाएं।

डेढ़ लाख ने विजिट की वेबसाइट

विस्तार शिक्षा निदेशालय के सह-निदेशक (किसान परामर्श केंद्र) डॉ. सुनील ढांडा ने बताया कि इस वर्चुअल कृषि मेले में में एक लाख 56 हजार बार मेले की वेबसाइट को देखा गया। उन्होंने बताया कि इस वर्चुअल कृषि मेले के लिए करीब 32 हजार किसानों ने अपने मोबाइल नंबर के माध्यम से पंजीकरण करवाया। उन्होंने बताया कि मेले में विदेश से भी अनेक किसान शामिल हुए, जिसमें यूएसए, चीन व इंडोनेसिया के करीब 370 लोग शामिल हुए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक ट्रिब्यून	**14.10.2020**	**05**	**01-02**

हिसार, 13 अक्तूबर (निस)

प्रदेश के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री जेपी दलाल ने वर्चुअल कृषि मेले का ऑनलाइन उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी के चलते लगभग सभी उद्योग धंधे चौपट होने की कगार पर थे। जिससे देश की अर्थव्यवस्था डगमगा रही थी, लेकिन इस संकट की घड़ी में केवल किसान की मेहनत ने ही देश की अर्थव्यवस्था को बचाने में अहम भूमिका निभाई। हकृवि ने इस वर्ष के मेले का मुख्य बिषय फसल अवशेष प्रबंधन रखा है। कुलपति प्रो. समर सिंह ने कहा कि इस संकट की घड़ी में फिजिकली मेले का आयोजन बहुत ही कठिन कार्य था, लेकिन किसानों के हित को ध्यान में रखकर इसे वर्चुअल कृषि मेले के रूप में आयोजित करने का फैसला लिया। कृषि मेले के शुभारंभ पर कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव देवेंद्र सिंह, लुवास के कुलपति डॉ. गुरदयाल सिंह, विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बीआर कंबोज, विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आरएस हुड्डा सहित सभी कृषि विज्ञान केंद्रों के प्रभारी व वैज्ञानिक उपस्थित थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला रेवाड़ी	**15.10.2020**	——	--

फसल अवशेष प्रबंधन पर दो दिवसीय वर्चुअल मेले का समापन

बावल कृषि विज्ञान केंद्र में किसानों के लिए वर्चुअल मेले में भाग लेने के लिए थी व्यवस्था

अमर उजाला ब्यूरो

रेवाड़ी। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार द्वारा आयोजित दो दिवसीय प्रथम वर्चुअल किसान मेले का मंगलवार को समापन हो गया हैं। कृषि विज्ञान केन्द्र बावल द्वारा प्रगतिशील किसान व महिला किसानों के लिए केंद्र के प्रांगण में ही देखने की व्यवस्था की गई। यह देश में दूसरा व प्रदेश में पहला इतना बड़ा मेला मेला होने की बात कही जा रही है। मेले का थीम विषय फसल अवशेष प्रबंधन था । मेले के मुख्य अतिथि प्रदेश के कृषि एवं कृषि कल्याण मंत्री जेपी दलाल ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि कोरोना महामारी के चलते केवल किसान की मेहनत ने ही देश की अर्थव्यवस्था को बचाने में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने किसानों से परंपरागत खेती की बजाय कृषि विविधीकरण को अपनाने का आह्वान किया तथा किसान समूह बनाकर खेती करने पर बल दिया।

वर्चुअल मेले में भाग लेते किसान। संवाद

अधिक आमदनी के लिए किसानों को बनाने होंगे उत्पादक समूह : वीसी

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के वीसी प्रोफसर समर सिंह ने कहा कि वर्तमान दौर प्रतिस्पर्धा का है। ऐसे में अंतरराष्ट्रीय बाजार में टिके रहने के लिए किसानों को आधुनिक तकनीकों को अपनाना बेहद जरूरी है। प्रो. समर सिंह ने कहा कि एक आम किसान इतना समृद्ध नहीं होता कि वो अपने स्तर पर भंडारण व महंगी तकनीक को वहन कर सकें। इसके लिए किसान उत्पादक समूह बनाकर आधुनिक तकनीकों को अपनाकर अपनी वस्तुओं का भंडारण कर सकते हैं ताकि जब बाजार में अच्छे भाव मिले तब अपनी उपज बेच सकें। कृषि विज्ञान केन्द्र बावल के वरिष्ठ संयोजक डॉ. जोगिंद्र यादव ने बताया कि इस वर्चुअल कृषि मेले में रेवाड़ी जिले के हजारों किसानों ने अपना पंजीकरण करवाया व विश्वविद्यालय की साइट कि विजिट किया। किसान एप के द्वारा विश्वविद्यालय में उपलब्ध विभिन्न फसलों व सब्जियों के उन्नत किस्मों के बीज उपलब्ध करवाए। वर्चुअल मेले के दोनों दिन 60 से अधिक किसानों ने केंद्र के प्रांगण से ही मेले का अवलोकन किया व बहुमूल्य जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर किसान प्रश्नोत्तरी में भी किसान ने हिस्सा लिया व अपनी समस्याओं के समाधान प्राप्त किए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी फरीदाबाद	**14.10.2020**	——	--

घर बैठे प्राप्त कर सकते हैं खेती संबंधी आधुनिक जानकारी : डा. यादव

फरीदाबाद, 12 अक्तूबर (ब्यूरो): कृषि विज्ञान केंद्र, फरीदाबाद के वरिष्ठ संयोजक डॉ. विजयपाल सिंह यादव ने बताया कि चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा कोरोना-19 महामारी के चलते इस वर्ष वर्चुअल कृषि मेले का आयोजन 13-14 अक्तूबर को किया जा रहा है। इस मेले में भाग लेने के लिए किसान अपने मोबाइल से पंजीकरण करवाए तथा कृषि मेले को लाइव देख सकते है। मेला देखने के इच्छुक किसानों व वैज्ञानिक जानकारी प्राप्त करने के लिए उन्हें हिसार जाने की जरूरत नही है। वे घर बैठे ही अपने मोबाइल से इसे देख सकते हैं तथा मेले के विभिन्न कार्यक्रमों द्वारा खेती से संबंधी आधुनिक जानकारी प्राप्त कर सकते है। इस वर्ष कृषि मेले का मुख्य उद्देश्य फसल अवशेष प्रबंधन रहेगा। इस मेले में प्रगतिशील किसानों की कहानी उन्हीं की जुबानी बताई जाएगी। मेले में रबी फसलों की नवीनतम किस्में, कृषि संबंधित समस्याओं का समाधान, नवीनतम कृषि उपकरणों की जानकारी, फसल अवशेष प्रबंधन, बिजाई का उचित समय, खादों की मात्रा आदि विषयों पर लाइव वेबिनार व वैज्ञानिक जानकारी जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। किसानों के लिए विशेष व्याख्यान सत्र में किसान कृषि विश्व विद्यालय, हिसार के कृषि वैज्ञानिकों से सीधे संवाद कर कृषि व संबंधित विषयों पर समस्याओं के सवालों का जवाब ले सकते हैं।

आज और कल चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार द्वारा वर्चुअल कृषि मेले का आयोजन

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर महेन्द्रगढ	**15.10.2020**	——	--

वर्चुअल मेले का किसानों ने उठाया लाभ

महेंद्रगढ़ | कृषि विज्ञान केंद्र, महेंद्रगढ़ परिसर पर जिले के 30 किसानों ने फसल अवशेष प्रबंधन विषय पर दो दिवसीय वर्चुअल किसान मेले के उद्घाटन कार्यक्रम के सीधा प्रसारण में ऑनलाइन भाग लिया। कृषि मेला का उद्घाटन व शुभारंभ सीएम द्वारा किया गया। कार्यक्रम में वरिष्ठ अतिथि के रूप में जेपी दलाल, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री मौजूद रहे। मेले की अध्यक्षता प्रोफेसर समर सिंह, कुलपति चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा की गई। मेले के लिए जिले महेंद्रगढ़ से करीब 500 किसानों ने अपने मोबाइल नंबर के माध्यम से पंजीकरण करवाया था।

मेले के पहले दिन फसल अवशेष प्रबंधन डेयरी पशुओं में बांझपन की समस्या का प्रबंध विषयों पर वेबिनार का आयोजन किया गया। किसानों के साथ ऑनलाइन बातचीत के लिए विशेष लाइव बैठक का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशक एवं मेले के आयोजक डॉ. आरएस हुड्डा ने बताया कि ऑनलाइन कृषि में किसान घर बैठे मोबाइल या कंप्यूटर पर ऑनलाइन कृषि मेले का अवलोकन कर सकते हैं। इस कार्यक्रम के दौरान परिसर में केंद्र के वरिष्ठ संयोजक डॉ रमेश कुमार, डॉ जय लाल यादव, डॉ अशोक ढिल्लों, डॉ नरेंद्र यादव, डॉ राजपाल यादव, डॉ पूनम यादव, डॉ दिनेश चौधरी व गैर शिक्षक स्टाफ नवीन डाबर, हेमंत जांगड़ा, आशीष यादव, देशराज मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला रेवाड़ी	**15.10.2020**	——	--

दो दिवसीय वर्चुअल कृषि मेला कल से

अमर उजाला ब्यूरो

बीज के लिए किसान करा सकेंगे ऑनलाइन बुकिंग

रेवाड़ी। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की ओर से 13 अक्टूबर से शुरू होने वाले दो दिवसीय वर्चुअल कृषि मेले में कृषि विज्ञान केंद्र बावल से 25 प्रगतिशील किसान भाग लेंगे। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा प्रदेश में पहली बार इस प्रकार का आयोजन किया जा रहा है। किसान विश्वविद्यालय द्वारा जारी लिंक के माध्यम से किसान एप डाउनलोड कर मेले में जुड़कर बीज के लिए भी आवेदन भी कर सकते हैं।

केवीके बावल के डॉ. जोगेंद्र यादव ने बताया कि कोरोना काल के चलते प्रतिवर्ष की तरह आयोजित किया जाने वाला कृषि मेला इस बार वर्चुअल रूप से किया गया है। विश्वविद्यालय ने इस संकट की घड़ी में अवसर में बदलते हुए वर्चुअल कृषि मेले का को आयोजित करने का फैसला लिया है। किसानों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े उन्हें हर प्रकार की कृषि संबंधी वैज्ञानिक जानकारी ऑनलाइन घर बैठे मिल सकेगी। वर्चुअल मेले में भाग लेने के लिए कोई भी किसान एचएयूकृषिमेलाडॉटकाम पर जाकर किसान गूगल प्ले स्टोर से एप डाउनलोड कर सकता है। इसके लिए एंड्राइड फोन में इंटरनेट सुविधा होना अनिवार्य है।

इस एप के माध्यम से किसानों को विश्वविद्यालय में उपलब्ध फलों व सब्जियों के बीजों की विस्तृत जानकारी मिल सकेगी। किसान तुरंत ऑनलाइन बीज के लिए बुकिंग भी करा सकेंगे। किसानों की सुविधा के लिए विश्वविद्यालय की ओर से कृषि विज्ञान केंद्र बावल में बीज को भेजने की व्यवस्था की गई है। मेले में अधिक किसानों की भागीदारी के लिए कृषि विज्ञान केंद्रों के प्रभारियों को इसका जिम्मा सौंपा गया है। केंद्रों के प्रभारी किसानों के साथ सामाजिक दूरी, मास्क व सैनिटाइजेशन का ध्यान रखते हुए केंद्र पर भी वर्चुअल मेले में किसानों को जोड़ेंगे। इसके अलावा व्हाट्सएप व अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से अधिक से अधिक किसानों के पास मेले के लिंक भेज कर उन्हें जोड़ने का काम किया जाएगा। वर्चुअल किसान मेले में किसान अपने सवालों के जवाब के लिए वैज्ञानिकों के पैनल से राय भी ले सकेंगे। उन्होंने बताया कि मेले के दिन 13 व 14 अक्तूबर शाम 4 से 5 बजे तक किसानों के लिए प्रश्नोत्तरी सत्र रखा गया है। इस दौरान किसान कृषि वैज्ञानिकों से सीधे संवाद कर सकते हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
संवाद सहयोगी महेन्द्रगढ	**15.10.2020**	——	--

वर्चुअल किसान मेला में किसानों ने लिया भाग

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: कृषि विज्ञान केंद्र महेंद्रगढ़ परिसर पर जिले के 30 किसानों ने फसल अवशेष प्रबंधन विषय पर दो दिवसीय वर्चुअल किसान मेला (रबी)-2020 के उद्घाटन कार्यक्रम के सीधा प्रसारण में ऑनलाइन भाग लिया। कृषि मेला का उद्घाटन व शुभारंभ मुख्यमंत्री मनोहर लाल द्वारा किया गया।

कार्यक्रम में वरिष्ठ अतिथि के रूप में जेपी दलाल कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री मौजूद रहे। मेले की अध्यक्षता प्रोफेसर समर सिंह, कुलपति चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा की गई। मेले के लिए जिले महेंद्रगढ़ से करीब 500 किसानों ने अपने मोबाइल नंबर के माध्यम से पंजीकरण करवाया था। मेले के पहले दिन फसल अवशेष प्रबंधन डेयरी पशुओं में बांझपन की समस्या का प्रबंध विषयों पर वेबिनार का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशक एवं मेले के आयोजक डा.आरएस हुड्डा ने बताया कि ऑनलाइन कृषि में किसान घर बैठे मोबाइल या कंप्यूटर पर ऑनलाइन कृषि मेले का अवलोकन कर सकते हैं। कृषि यंत्रों व उपकरणों का

महेंद्रगढ़ में वर्चुअल किसान मेला में फसल अवशेष प्रबंधन विषय पर जानकारी देते विशेषज्ञ • जागरण

नवीनतम तकनीकों, कृषि विश्वविद्यालय के सभी विभागों की नई खोजें, फसल अवशेष प्रबंधन की नई तकनीकों की जानकारी पा सकते हैं।

इसके अलावा उन्होंने बताया की रबी फसलों के बीज की ऑनलाइन बुकिंग बीज के नजदीक केकेबीके पर उपलब्ध कराए जाएंगे। मेले में किसान कृषि वैज्ञानिकों से ऑनलाइन सीधा संवाद कर सकते हैं तथा प्रगतिशील किसानों की सफलता की कहानी सुन सकते हैं । इस कार्यक्रम के दौरान परिसर में केंद्र के वरिष्ठ संयोजक डा.रमेश कुमार, डा. जयलाल यादव, डा.अशोक ढिल्लो, डा.नरेंद्र यादव, डा. राजपाल यादव, डा.पूनम यादव, डा.दिनेश चौधरी व गैर शिक्षक स्टाफ नवीन डाबर, हेमंत जांगड़ा, आशीष यादव, देशराज मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	**14.10.2020**	--	--

एचएयू के दो दिवसीय वर्चुअल कृषि मेले का समापन, करीब 32 हजार किसानों ने किया पंजीकरण

टपका सिंचाई व फसल विविधिकरण अपनाएं किसान : रणबीर गंगवा

पांच बजे न्यूज

हिसार। गिरते भूमिगत जल स्तर व कम होती जमीन की उर्वरा शक्ति को बचाने के लिए किसानों को टपका सिंचाई व फसल विविधिकरण को अपनाना होगा। ऐसा करने से एक ओर जहां पानी की बचत होगी वहीं दूसरी ओर किसान को आर्थिक फायदा भी होगा और पर्यावरण भी सुरक्षित रहेगा। ये विचार हरियाणा विधानसभा के उपाध्यक्ष श्री रणबीर सिंह गंगवा ने कहे। वे बुधवार को चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित देश के दूसरे व प्रदेश के पहले वर्चुअल कृषि मेले के समापन अवसर पर बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। उन्होंने किसानों से आह्वान किया कि वे धान की पराली को जलाने की बजाए कृषि वैज्ञानिकों द्वारा बताए गए तरीकों से ही पराली का उचित प्रबंधन करें ताकि पर्यावरण प्रदूषण होने से बचाया जा सके और भूमि की उर्वरा शक्ति भी बनी रहे। विधानसभा उपाध्यक्ष ने किसानों से जैविक खेती व कृषि विविधिकरण अपनाने के साथ-साथ

विश्वविद्यालय द्वारा विकसित फसलों व सब्जियों की आधुनिक किस्मों के बीज व तकनीकों को अपनाएं ताकि अधिक से अधिक फसलों से उत्पादन हासिल कर सकें। इससे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के किसानों की आय को दोगुणा करने के लक्ष्य को मजबूती मिलेगी। उन्होंने किसानों से किसान समूह बनाकर कृषि करने की भी अपील कि ताकि वे हर प्रकार की तकनीक को समूह में अपनाकर लाभ उठा सकें। उन्होंने मेले के सफल आयोजन के लिए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह सहित विश्वविद्यालय प्रशासन की सराहना की और कहा कि उन्होंने कोरोना महामारी की चुनौती को अवसर में बदलकर किसानों के हित के लिए काम किया है।

पर्यावरण बचाने के लिए पराली न जलाएं किसान : प्रोफेसर समर सिंह

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह ने मुख्यातिथि का कार्यक्रम में ऑनलाइन रूप से शामिल होने पर स्वागत किया और विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित मेले के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने किसानों से आह्वान किया कि वे पर्यावरण को बचाने के लिए पराली का न जलाएं। वैज्ञानिक तरीके से इसका प्रबंधन करें ताकि भूमि की उर्वरा शक्ति को बनाए रखा जा सके और भूमि में मौजूद मित्र कीटों को बचाया जा सके। इससे पर्यावरण प्रदूषित होने से भी बचाया जा सकेगा। उन्होंने वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि वे ऐसी किस्में विकसित करें जिनमें पोषक तत्व अधिक से अधिक हों।

मेले की वेबसाइट को मिले डेढ़ लाख से अधिक व्यूज

विस्तार शिक्षा निदेशालय के सह-निदेशक(किसान परामर्श केंद्र)डॉ. सुनील ढांडा ने बताया कि इस वर्चुअल कृषि मेले में एक लाख 56 हजार बार मेले की वेबसाइट को देखा गया। उन्होंने बताया कि इस वर्चुअल कृषि मेले के लिए करीब 32 हजार किसानों ने अपने मोबाइल नंबर के माध्यम से पंजीकरण करवाया। हालांकि बाद में बिना मोबाइल नंबर के भी वेबसाइट को सबके लिए ओपन कर दिया गया था, जिसमें अधिक से अधिक किसान शामिल हुए। उन्होंने बताया कि इसके अलावा इस वर्चुअल कृषि मेले में वेबसाइट को 56000 बार विजिट किया गया। इस मेले में देश-विदेश से भी अनेक किसान शामिल हुए, जिसमें यूएसए, चीन व इंडोनेसिया के करीब 370 लोग शामिल हुए।

ये भी रहे कार्यक्रम में मौजूद

मेले के समापन अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति के विशेष कार्यकारी अधिकारी डॉ. एम.एस. सिद्धपुरिया, कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज, विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा, अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत, चीफ इंजीनीयर भूपेंद्र सिंह, डॉ. राजवीर सिंह, डॉ. सीमा रानी, विस्तार शिक्षा निदेशालय के सह-निदेशक(किसान परामर्श केंद्र)डॉ. सुनील ढांडा सहित सभी कृषि विज्ञान केंद्रों के इंचार्ज व विभागाध्यक्ष मौजूद थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पल पल	**14.10.2020**	--	--

टपका सिंचाई व फसल विविधिकरण अपनाएं किसानः गंगवा

पल पल न्यूजः हिसार, 14 अक्टूबर। गिरते भूमिगत जल स्तर व कम होती जमीन की उर्वरा शक्ति को बचाने के लिए किसानों को टपका सिंचाई व फसल विविधिकरण को अपनाना होगा। ऐसा करने से एक ओर जहां पानी की बचत होगी वहीं दूसरी ओर किसान को आर्थिक फायदा भी होगा और पर्यावरण भी सुरक्षित रहेगा। ये विचार हरियाणा विधानसभा के उपाध्यक्ष रणबीर सिंह गंगवा ने कहे। वे बुधवार को चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित देश के दूसरे व प्रदेश के पहले वर्चुअल कृषि मेले के समापन अवसर पर बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। उन्होंने किसानों से आह्वान किया कि वे धान की पराली को जलाने की बजाए कृषि वैज्ञानिकों द्वारा बताए गए तरीकों से ही पराली का उचित प्रबंधन करें ताकि पर्यावरण प्रदूषण होने से बचाया जा सके और भूमि की उर्वरा शक्ति भी

बनी रहे। विधानसभा उपाध्यक्ष ने किसानों से जैविक खेती व कृषि विविधिकरण अपनाने के साथ-साथ विश्वविद्यालय द्वारा विकसित फसलों व सब्जियों की आधुनिक किस्मों के बीज व तकनीकों को अपनाएं ताकि अधिक से अधिक फसलों से उत्पादन हासिल कर सकें। इससे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के किसानों की आय को दोगुणा करने के लक्ष्य को मजबूती मिलेगी। उन्होंने किसानों से किसान समूह बनाकर कृषि करने की भी अपील कि ताकि वे हर प्रकार की तकनीक को समूह में अपनाकर लाभ उठा सकें। उन्होंने मेले के सफल आयोजन के लिए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह सहित विश्वविद्यालय प्रशासन की सराहना की और कहा कि उन्होंने कोरोना महामारी की चुनौती को अवसर में बदलकर किसानों के हित के लिए काम किया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने मुख्यातिथि का कार्यक्रम में ऑनलाइन रूप से शामिल होने पर स्वागत किया और विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित मेले के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने किसानों से आह्वान किया कि वे पर्यावरण को बचाने के लिए पराली का न जलाएं। विस्तार शिक्षा निदेशालय के सह-निदेशक(किसान परामर्श केंद्र)डॉ. सुनील ढांडा ने बताया कि इस वर्चुअल कृषि मेले में में एक लाख 56 हजार बार मेले की वेबसाइट को देखा गया। वर्चुअल कृषि मेले के समापन अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति के विशेष कार्यकारी अधिकारी डॉ. एम.एस. सिद्धपुरिया, कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज, विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा, अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत, चीफ इंजीनीयर भूपेंद्र सिंह, डॉ. राजवीर सिंह, डॉ. सीमा रानी, विस्तार शिक्षा निदेशालय के सह-निदेशक(किसान परामर्श केंद्र)डॉ. सुनील ढांडा सहित सभी कृषि विज्ञान केंद्रों के इंचार्ज व विभागाध्यक्ष मौजूद थे। इस कार्यक्रम में देश व विदेश से किसान ऑनलाइन रूप से शामिल हुए। -

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सच कहूं	**15.10.2020**	--	--

एचएयू में दो दिवसीय वर्चुअल कृषि मेला संपन्न, 32 हजार किसानों ने उठाया लाभ

'टपका सिंचाई व फसल विविधिकरण अपनाएं किसान'

सच कहूँ/संदीप सिंहमार
हिसार।

गिरते भूमिगत जल स्तर व कम होती जमीन की उर्वरा शक्ति को बचाने के लिए किसानों को टपका सिंचाई व फसल विविधिकरण को अपनाना होगा।ऐसा करने से एक ओर जहां पानी की बचत होगी वहीं दूसरी ओर किसान को आर्थिक फायदा भी होगा और पर्यावरण भी सुरक्षित रहेगा।

ये विचार हरियाणा विधानसभा के उपाध्यक्ष श्री रणबीर सिंह गंगवा ने कहे। वे बुधवार को चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित देश के दूसरे व प्रदेश के पहले वर्चुअल कृषि मेले के समापन अवसर पर बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। उन्होंने किसानों से आह्वान किया कि वे धान की पराली को जलाने की बजाए कृषि वैज्ञानिकों द्वारा बताए गए तरीकों से ही पराली का उचित प्रबंधन करें ताकि पर्यावरण प्रदूषण होने से बचाया जा सके और भूमि की उर्वरा शक्ति भी बनी रहे। विधानसभा उपाध्यक्ष ने किसानों से जैविक खेती व कृषि विविधिकरण अपनाने के साथ-साथ विश्वविद्यालय द्वारा विकसित फसलों व सब्जियों की आधुनिक किस्मों के बीज व तकनीकों को अपनाएं ताकि अधिक से अधिक फसलों से उत्पादन हासिल कर सकें। इससे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के किसानों की आय को दोगुणा करने के लक्ष्य को मजबूती मिलेगी। उन्होंने किसानों से किसान समूह बनाकर कृषि करने की भी अपील कि ताकि वे हर प्रकार की तकनीक को समूह में अपनाकर लाभ उठा सकें। उन्होंने मेले के सफल आयोजन के लिए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह सहित विश्वविद्यालय प्रशासन की सराहना की और कहा कि उन्होंने कोरोना महामारी की चुनौती को अवसर में बदलकर किसानों के हित के लिए काम किया है।

"समापन अवसर पर हरियाणा विधानसभा के उपाध्यक्ष रणबीर सिंह गंगवा व अन्य।"

पर्यावरण बचाने के लिए पराली न जलाएं किसान : कुलपति

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने मुख्यातिथि का कार्यक्रम में ऑनलाइन रुप से शामिल होने पर स्वागत किया और विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित मेले के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने किसानों से आह्वान किया कि वे पर्यावरण को बचाने के लिए पराली का न जलाएं। वैज्ञानिक तरीके से इसका प्रबंधन करें ताकि भूमि की उर्वरा शक्ति को बनाए रखा जा सके और भूमि में मौजूद मित्र कीटों को बचाया जा सके।इससे पर्यावरण प्रदूषित होने से भी बचाया जा सकेगा। कुलपति महोदय ने किसानों से अपील की कि वे अतंरराष्ट्रीय स्तर के बाजार को ध्यान में रखकर फसलों का उत्पादन करें व गुणवत्ता का ध्यान रखें ताकि उनको फसल का उचित मूल्य मिल सके और उनकी आमदनी में बढ़ोतरी हो सके जिसके लिए देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी भी निरंतर प्रयासरत हैं। उन्होंने वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि वे ऐसी किस्में विकसित करें जिनमें पोषक तत्व अधिक से अधिक हों।

ये भी रहे कार्यक्रम में मौजूद

वर्चुअल कृषि मेले के समापन अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति के विशेष कार्यकारी अधिकारी डॉ. एम.एस. सिद्धपुरिया, कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज, विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा, अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत, चीफ इंजीनीयर भूपेंद्र सिंह, डॉ. राजवीर सिंह, डॉ. सीमा रानी, विस्तार शिक्षा निदेशालय के सह-निदेशक (किसान परामर्श केंद्र) डॉ. सुनील ढांडा सहित सभी कृषि विज्ञान केंद्रों के इंचार्ज व विभागाध्यक्ष मौजूद थे। इस कार्यक्रम में देश व विदेश से किसान ऑनलाइन रुप से शामिल हुए।

मेले की वेबसाइट को मिले डेढ़ लाख से अधिक व्यूज

विस्तार शिक्षा निदेशालय के सह-निदेशक (किसान परामर्श केंद्र) डॉ. सुनील ढांडा ने बताया कि इस वर्चुअल कृषि मेले में में एक लाख 56 हजार बार मेले की वेबसाइट को देखा गया। उन्होंने बताया कि इस वर्चुअल कृषि मेले के लिए करीब 32 हजार किसानों ने अपने मोबाइल नंबर के माध्यम से पंजीकरण करवाया। हालांकि बाद में बिना मोबाइल नंबर के भी वेबसाइट को सबके लिए ओपन कर दिया गया था, जिसमें अधिक से अधिक किसान शामिल हुए। उन्होंने बताया कि इसके अलावा विश्वविद्यालय के इस वर्चुअल कृषि मेले में वेबसाइट को 56000 बार विजिट किया गया। इस मेले में देश-विदेश से भी अनेक किसान शामिल हुए, जिसमें यूएसए, चीन व इंडोनेशिया के करीब 370 लोग शामिल हुए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हिसार टूडे	**14.10.2020**	--	--

एचएयू के दो दिवसीय वर्चुअल कृषि मेले का समापन, मेले में करीब 32 हजार किसानों ने किया पंजीकरण

टपका सिंचाई व फसल विविधिकरण अपनाएं किसान : विधानसभा उपाध्यक्ष रणबीर सिंह गंगवा

टुडे न्यूज़ | हिसार

गिरते भूमिगत जल स्तर व कम होती जमीन की उर्वरा शक्ति को बचाने के लिए किसानों को टपका सिंचाई व फसल विविधिकरण को अपनाना होगा। ऐसा करने से एक ओर जहां पानी की बचत होगी वहीं दूसरी ओर किसान को आर्थिक फायदा भी होगा और पर्यावरण भी सुरक्षित रहेगा। ये विचार हरियाणा विधानसभा के उपाध्यक्ष श्री रणबीर सिंह गंगवा ने कहे।

वे बुधवार को चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित देश के दूसरे व प्रदेश के पहले वर्चुअल कृषि मेले के समापन अवसर पर बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। उन्होंने किसानों से आह्वान किया कि वे धान की पराली को जलाने की बजाए कृषि वैज्ञानिकों द्वारा बताए गए तरीकों से ही पराली का उचित प्रबंधन करें ताकि पर्यावरण प्रदूषण होने से बचाया जा सके और भूमि की उर्वरा शक्ति भी बनी रहे। विधानसभा उपाध्यक्ष ने किसानों से जैविक खेती व कृषि विविधिकरण अपनाने के साथ-साथ विश्वविद्यालय द्वारा विकसित फसलों व सब्जियों की आधुनिक किस्मों के बीज व तकनीकों को अपनाएं ताकि अधिक से अधिक फसलों से उत्पादन हासिल कर सकें। इससे प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के किसानों की आय को दोगुणा करने के लक्ष्य को मजबूती मिलेगी। उन्होंने किसानों से किसान समूह बनाकर कृषि करने की भी अपील कि ताकि वे हर प्रकार की तकनीक को समूह में अपनाकर लाभ उठा सकें। उन्होंने मेले के सफल आयोजन के लिए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह सहित विश्वविद्यालय प्रशासन की सराहना की और कहा कि उन्होंने कोरोना महामारी की चुनौती को अवसर में बदलकर किसानों के हित के लिए काम किया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने मुख्यातिथि का कार्यक्रम में ऑनलाइन रूप से शामिल होने पर स्वागत किया और विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित मेले के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने किसानों से आह्वान किया कि वे पर्यावरण को बचाने के लिए पराली का न जलाएं। वैज्ञानिक तरीके से इसका प्रबंधन करें ताकि भूमि की उर्वरा शक्ति को बनाए रखा जा सके और भूमि में मौजूद मित्र कीटों को बचाया जा सके।

इससे पर्यावरण प्रदूषित होने से भी बचाया जा सकेगा। कुलपति महोदय ने किसानों से अपील की कि वे अतंरराष्ट्रीय स्तर के बाजार को ध्यान में रखकर फसलों का उत्पादन करें व गुणवत्ता का ध्यान रखें ताकि उनको फसल का उचित मूल्य मिल सके और उनकी आमदनी में बढ़ोतरी हो सके जिसके लिए देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी भी निरंतर प्रयासरत हैं। उन्होंने वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि वे ऐसी किस्में विकसित करें जिनमें पोषक तत्व अधिक से अधिक हों।

वर्चुअल कृषि मेले के समापन अवसर पर हरियाणा विधानसभा के उपाध्यक्ष रणबीर सिंह गंगवा जी व कार्यक्रम में मौजूद विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह, विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर. एस. हुड्डा, अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत व अन्य।

मेले की वेबसाइट को मिले डेढ़ लाख से अधिक व्यूज़

विस्तार शिक्षा निदेशालय के सह-निदेशक(किसान परामर्श केंद्र)डॉ. सुनील ढांडा ने बताया कि इस वर्चुअल कृषि मेले में में एक लाख 56 हजार बार मेले की वेबसाइट को देखा गया। वर्चुअल कृषि मेले के लिए करीब 32 हजार किसानों ने अपने मोबाइल नंबर के माध्यम से पंजीकरण करवाया। बिना मोबाइल नंबर के भी वेबसाइट को सबके लिए ओपन कर दिया गया था, जिसमें अधिक किसान शामिल हुए। उन्होंने बताया कि इसके अलावा विश्वविद्यालय के इस वर्चुअल कृषि मेले में वेबसाइट को 56000 बार विजिट किया गया।

ये भी रहे कार्यक्रम में मौजूद

वर्चुअल कृषि मेले के समापन अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति के विशेष कार्यकारी अधिकारी डॉ. एम.एस. सिद्धपुरिया, कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज, विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा, अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत, चीफ इंजीनीयर भूपेंद्र सिंह, डॉ. राजवीर सिंह, डॉ. सीमा रानी, विस्तार शिक्षा निदेशालय के सह-निदेशक(किसान परामर्श केंद्र)डॉ. सुनील ढांडा सहित सभी कृषि विज्ञान केंद्रों के इंचार्ज व विभागाध्यक्ष मौजूद थे। इस कार्यक्रम में देश व विदेश से किसान ऑनलाइन रूप से शामिल हुए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	**14.10.2020**	--	--

टपका सिंचाई व फसल विविधिकरण अपनाएं किसान : गंगवा

एचएयू के दो दिवसीय वर्चुअल कृषि मेले का समापन, करीब 32 हजार किसानों ने किया पंजीकरण

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार। गिरते भूमिगत जल स्तर व कम होती जमीन की उर्वरा शक्ति को बचाने के लिए किसानों को टपका सिंचाई व फसल विविधिकरण को अपनाना होगा। ऐसा करने से एक ओर जहां पानी की बचत होगी वहीं दूसरी ओर किसान को आर्थिक फायदा भी होगा और पर्यावरण भी सुरक्षित रहेगा। ये विचार हरियाणा विधानसभा के उपाध्यक्ष श्री रणबीर सिंह गंगवा ने कहे। वे बुधवार को चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित देश के दूसरे व प्रदेश के पहले वर्चुअल कृषि मेले के समापन अवसर पर बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। उन्होंने किसानों से आह्वान किया कि वे धान की पराली को जलाने की बजाए कृषि वैज्ञानिकों द्वारा बताए गए तरीकों से ही पराली का उचित प्रबंधन करें ताकि पर्यावरण प्रदूषण होने से बचाया जा सके और भूमि की उर्वरा शक्ति भी बनी रहे। विधानसभा उपाध्यक्ष ने किसानों से जैविक खेती व कृषि विविधिकरण अपनाने के साथ-साथ विश्वविद्यालय द्वारा विकसित फसलों व सब्जियों की आधुनिक किस्मों के बीज व तकनीकों को अपनाएं ताकि अधिक से अधिक फसलों से उत्पादन हासिल कर सकें।

इससे प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के किसानों की आय को दोगुणा करने के लक्ष्य को मजबूती मिलेगी। उन्होंने किसानों से किसान समूह बनाकर कृषि करने की भी अपील कि ताकि वे हर प्रकार की तकनीक को समूह में अपनाकर लाभ उठा सकें। उन्होंने मेले के सफल आयोजन के लिए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह सहित विश्वविद्यालय प्रशासन की सराहना की और कहा कि उन्होंने कोरोना महामारी की चुनौती को अवसर में बदलकर किसानों के हित के लिए काम किया है।

मेले की वेबसाइट को मिले डेढ़ लाख से अधिक व्यूज

विस्तार शिक्षा निदेशालय के सह-निदेशक(किसान परामर्श केंद्र)डॉ. सुनील ढांडा ने बताया कि इस वर्चुअल कृषि मेले में में एक लाख 56 हजार बार मेले की वेबसाइट को देखा गया। उन्होंने बताया कि इस वर्चुअल कृषि मेले के लिए करीब 32 हजार किसानों ने अपने मोबाइल नंबर के माध्यम से पंजीकरण करवाया। हालांकि बाद में बिना मोबाइल नंबर के भी वेबसाइट को सबके लिए ओपन कर दिया गया था, जिसमें अधिक से अधिक किसान शामिल हुए। उन्होंने बताया कि इसके अलावा विश्वविद्यालय के इस वर्चुअल कृषि मेले में वेबसाइट को 56000 बार विजिट किया गया।

ये भी रहे कार्यक्रम में मौजूद

वर्चुअल कृषि मेले के समापन अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति के विशेष कार्यकारी अधिकारी डॉ. एम.एस. सिद्धपुरिया, कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज, विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा, अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत, चीफ इंजीनीयर भूपेंद्र सिंह, डॉ. राजवीर सिंह, डॉ. सीमा रानी, विस्तार शिक्षा निदेशालय के सह-निदेशक(किसान परामर्श केंद्र)डॉ. सुनील ढांडा सहित सभी कृषि विज्ञान केंद्रों के इंचार्ज व विभागाध्यक्ष मौजूद थे। इस कार्यक्रम में देश व विदेश से किसान ऑनलाइन रूप से शामिल हुए।

पर्यावरण बचाने के लिए पराली न जलाएं किसान : प्रो. समर सिंह

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने मुख्यातिथि का कार्यक्रम में ऑनलाइन रूप से शामिल होने पर स्वागत किया और विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित मेले के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने किसानों से आह्वान किया कि वे पर्यावरण को बचाने के लिए पराली का न जलाएं। वैज्ञानिक तरीके से इसका प्रबंधन करें ताकि भूमि की उर्वरा शक्ति को बनाए रखा जा सके और भूमि में मौजूद मित्र कीटों को बचाया जा सके। इससे पर्यावरण प्रदूषित होने से भी बचाया जा सकेगा। कुलपति महोदय ने किसानों से अपील की कि वे अतंरराष्ट्रीय स्तर के बाजार को ध्यान में रखकर फसलों का उत्पादन करें व गुणवत्ता का ध्यान रखें ताकि उनको फसल का उचित मूल्य मिल सके और उनकी आमदनी में बढ़ोतरी हो सके जिसके लिए देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी भी निरंतर प्रयासरत हैं। उन्होंने वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि वे ऐसी किस्में विकसित करें जिनमें पोषक तत्व अधिक से अधिक हों।

प्रकाशक, मुद्रक, संपादक अभिनव शर्मा ने अपने स्वामित्व में होली डे प्रिंटिंग प्रेस, जाट धर्मशाला सर्राफ कॉमप्लेक्स से मुद्रित करवाकर कार्यालय : 305 हाउसिंग बोर्ड, सिरसा रोड हिसार से प्रकाशित किया। संपादक-अभिनव शर्मा RNI : HARHIN/2014/61130 किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र हिसार होगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक ट्रिब्यून पंजाबी	**14.10.2020**	--	--

ਹਿਸਾਰ ਖੇਤੀਬਾੜੀ ਵਰਸਿਟੀ ਦਾ ਵਰਚੁਅਲ ਖੇਤੀ ਮੇਲਾ ਆਰੰਭ

ਕਿਸਾਨ ਮੇਲੇ ਦੌਰਾਨ ਸਵਾਲਾਂ ਦੇ ਜਵਾਬ ਦਿੰਦੇ ਹੋਏ ਵਿਗਿਆਨੀ।

30 ਹਜ਼ਾਰ ਕਿਸਾਨਾਂ ਨੇ ਰਜਿਸਟ੍ਰੇਸ਼ਨ ਕਰਵਾਈ

ਗੁਰਦੀਪ ਸਿੰਘ ਭੱਟੀ
ਟੋਹਾਣਾ, 14 ਅਕਤੂਬਰ

ਖੇਤੀਬਾੜੀ ਵਰਸਿਟੀ ਹਿਸਾਰ ਦਾ ਪਹਿਲਾ ਕੌਮੀ ਪੱਧਰ ਦਾ ਵਰਚੁਅਲ ਖੇਤੀਬਾੜੀ ਮੇਲਾ ਹਿਸਾਰ ਵਿੱਚ ਆਰੰਭ ਹੋ ਗਿਆ ਹੈ। ਪਹਿਲੇ ਦਿਨ ਇੱਕ ਲੱਖ ਕਿਸਾਨਾਂ ਨੇ ਵਿਊ ਦਿੱਤੇ। ਮੇਲੇ ਦਾ ਉਦਘਾਟਨ ਖੇਤੀਬਾੜੀ ਮੰਤਰੀ ਜੇ.ਪੀ ਦਲਾਲ ਨੇ ਆਨਲਾਈਨ ਕੀਤਾ। ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ ਮਨੋਹਰ ਲਾਲ ਨੂੰ ਜ਼ਰੂਰੀ ਸਰਕਾਰੀ ਕੰਮ ਹੋਣ ਕਾਰਨ ਖੇਤੀਬਾੜੀ ਮੰਤਰੀ ਨੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਸੰਦੇਸ਼ ਪੜ੍ਹ ਕੇ ਸੁਣਾਇਆ।

ਜੇਪੀ ਦਲਾਲ ਨੇ ਉਦਘਾਟਨ ਮੌਕੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਕਰੋਨਾ ਮਹਾਮਾਰੀ ਦੇ ਮੰਦੈਨਜ਼ਰ ਦੇਸ਼ ਭਰ ਦੇ ਉਦਯੋਗ ਧੰਦੇ ਮਾਰ ਹੇਠ ਆਏ ਹੋਏ ਹਨ ਅਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਮਾਲੀ ਹਾਲਤ ਹੇਠਲੇ ਪਾਏਦਾਨ 'ਤੇ ਚਲੀ ਗਈ। ਮਹਾਮਾਰੀ ਦੌਰਾਨ ਜਦੋਂ ਆਰਥਿਕ ਸੰਕਟ ਚੱਲ ਰਿਹਾ ਸੀ ਤਾਂ ਕਿਸਾਨਾਂ ਦੀ ਮਿਹਨਤ ਨੇ ਦੇਸ਼ ਦੀ ਮਾਲੀ ਹਾਲਤ ਬਚਾਉਣ ਵਿੱਚ ਅਹਿਮ ਭੂਮਿਕਾ ਨਿਭਾਈ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਕਿਸਾਨਾ ਦੀ ਪਿੱਠ ਥਪਥਪਾਉਂਦਿਆਂ ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ ਦੇ ਨਾ ਪੁੱਜਣ 'ਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਸੰਦੇਸ਼ ਆਨ ਲਾਈਨ ਪੇਸ਼ ਕੀਤਾ। ਇਸ ਵਿੱਚ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ ਦੇ ਉਪ ਕੁਲਪਤੀ ਸਮਰ ਸਿੰਘ ਦੇ ਖੇਤੀ ਕੰਮਾਂ ਨੂੰ ਅੱਵਲ ਦੱਸਦਿਆਂ ਖੇਤੀ ਵਿਗਿਆਨੀਆਂ ਨੂੰ ਛੋਟੇ ਕਿਸਾਨਾਂ ਨੂੰ ਆਧੁਨਿਕ ਤਕਨੀਕ ਦਾ ਲਾਭ ਦੇਣ ਲਈ ਸਕੀਮ ਬਣਾਉਣ 'ਤੇ ਜ਼ੋਰ ਦਿੱਤਾ।

ਖੇਤੀਬਾੜੀ ਮੰਤਰੀ ਜੇਪੀ ਦਲਾਲ ਨੇ ਵਿਗਿਆਨਿਆਂ ਨੂੰ ਸਲਾਹ ਦਿੱਤੀ ਕਿ ਕਿਸਾਨਾਂ ਦੀ ਜ਼ਰੂਰਤ ਮੁਤਾਬਕ ਉਨਤ ਕਿਸਮ ਦੇ ਬੀਜ/ਤਕਨੀਕ ਵਿਕਸਤ ਕੀਤੀ ਜਾਵੇ, ਜਿਸ ਨਾਲ ਕਿਸਾਨ ਦੀ ਆਮਦਨ ਵਿੱਚ ਵਾਧਾ ਹੋਵੇ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਭੰਡਾਰਨ ਕਰਨ/ਪੌਲੀ ਹਾਊਸ 'ਤੇ ਸਬਸਿਡੀ ਵਿੱਚ ਵਾਧਾ ਕਰਨ ਦਾ ਐਲਾਨ ਕਰਦਿਆਂ ਕਿਹਾ ਕਿ ਕਿਸਾਨ ਫ਼ਸਲੀ ਚੱਕਰ ਛੱਡ ਕੇ ਖੇਤੀ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ ਨੀਤੀਆਂ 'ਤੇ ਖੇਤੀ ਕਰਨ। ਮੰਤਰੀ ਨੇ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ ਦੇ ਐਪ ਦਾ ਉਦਘਾਟਨ ਕੀਤਾ। ਇਸ ਵਿੱਚ ਕਿਸਾਨ ਫ਼ਸਲਾਂ/ਸ਼ਬਜੀਆਂ ਦੇ ਬੀਜ ਬੁੱਕ ਕਰਵਾ ਸਕਣਗੇ। ਵਰਚੁਅਲ ਖੇਤੀ ਮੇਲੇ ਵਾਸਤੇ 30 ਹਜ਼ਾਰ ਕਿਸਾਨਾਂ ਨੇ ਰਜਿਸਟ੍ਰੇਸ਼ਨ ਕਰਵਾਈ ਸੀ। ਮੇਲੇ ਵਿੱਚ ਇੱਕ ਲੱਖ ਵਿਊ ਦਰਜ ਕੀਤੇ ਗਏ।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	15.10.2020	04	01-05

खेतीबाड़ी • वैज्ञानिक दे रहे अक्टूबर में गाजर, मूली, शलगम की खेती करने की सलाह

गाजर, शलगम की खेती से आमदनी बढ़ाएं किसान, मूली की हिसार स्वेती किस्म से पाएं अच्छी पैदावार

- ऑनलाइन भी किसानों को विभिन्न किस्मों के बारे में दी जा रही जानकारी

महबूब अली | हिसार

प्रदेश में जड़ वाली फसलों गाजर, मूली, शलगम की अक्टूबर में बुवाई कर किसान अधिक आमदनी बढ़ा सकते हैं। एचएयू के वैज्ञानिक किसानों को बुवाई की सलाह दे रहे हैं। तीनों के सेवन से आंखों की सेहत को भी सुधारा जा सकता है।

गाजर की हिसार गैरिक और पूसा केसर की बुवाई कर किसान प्रति एकड़ 100 से लेकर 110 प्रति क्विंटल तक की पैदावार ले सकते हैं। मूली की हिसार स्वेती किस्म से प्रति एकड़ 140 क्विंटल तक पैदावार पा सकते हैं। एचएयू के कुलपति डॉ. समर सिंह ने बताया कि किसानों को शलगम, मूली गाजर की बुवाई के तरीके ऑनलाइन भी समझाएं जा रहे हैं।

मूली की फसल

गाजर की फसल

मूली की प्रमुख किस्में

पूसा चेतकी : इस किस्म को गर्मी में भी लगाया जा सकता है, क्योंकि यह किस्म अधिक तापमान को सहन कर सकती है। 40 से 45 दिन में पककर तैयार हो जाती है।

हिसार स्वेती : यह एक अगेती किस्म होती है। पैदावार 120 से लेकर 140 प्रति क्विंटल तक होती है।

शलगम की प्रमुख फसलें

हाइट : यह अगेती व देशी किस्म 60 दिन के अंदर खुदाई के लिए तैयार हो जाती है। इसकी पैदावार 80 क्विंटल प्रति एकड़ तक होती है।

पर्पल टॉप हाइट ग्लोब : यह यूरोपियन किस्म पछेती बिजाई के लिए उपयुक्त है। इसमें 90 क्विंटल प्रति एकड़ तक पैदावार हासिल की जा सकती है।

गाजर की प्रमुख किस्में

पूसा केसर : यह केसरिया रंग की अगेती व देसी किस्म है। इसमें पत्तों का भाग कम होता है। इसकी पैदावार 100 क्विंटल प्रति एकड़ है।

हिसार गैरिक : यह एशियाई किस्म है। इसकी पैदावार 110 क्विंटल प्रति एकड़ तक होती है।

नैंटिस : यह यूरोपिनय किस्म है। इसकी उत्पादन क्षमता 100 क्विंटल प्रति एकड़ है।

खाद व उर्वरक : एचएयू के वैज्ञानिकों के अनुसार तीनों फसलों में लगभग 20 टन गोबर प्रति एकड़, 24 किग्रा. नाईट्रोजन, 12 किग्रा. फास्फोरस, प्रति एकड़ व गाजर में 12 किग्रा पोटाश प्रति एकड़ देना आवश्यक है। मूली व शलगम में पूरी खाद बिजाई के समय डालनी है और गाजर में आधी नाईट्रोजन व पूरा फास्फोरस एवं पोटाश बिजाई के समय तथा शेष नाईट्रोजन बिजाई के 3 से 4 सप्ताह बाद खडी फसल में डालकर मिट्टी चढ़ा दें।

खेत तैयारी : समतल खेत में दो तीन गहरी जुताई करें, ताकि गोबर की खाद भली प्रकार से मिल जाएं इसके बाद पट्टा लगाएं, ताकि नमी बनी रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	15.10.2020	04	01-06

रिसर्च • हरियाणा में सिरसा की एमडी बॉयोकॉल्ज़ प्रा. लि. को सौंपी कैप्सूल बेचने की जिम्मेदारी, कॉल कर घर भी मंगवाया जा सकेगा कैप्सूल

अब पराली जलाने से किसानों को मिलेगी निजात, आईसीएआर के वैज्ञानिकों ने तैयार किया पूसा डी कंपोजर कैप्सूल, 20 दिन में ही पराली को गलाया जा सकेगा

भास्कर न्यूज | हिसार

प्रदेश के किसानों को अब पराली जलाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। पराली को खाद के रूप में इस्तेमाल किया जा सकेगा। आईसीएआर नई दिल्ली के माइक्रो बॉयोलोजी विभाग के वैज्ञानिकों ने पूसा डी कंपोजर कैप्सूल तैयार किया है। इससे 20 दिन में ही पराली को खेत में ही प्रबंधन किया जा सकेगा व 15 दिन बाद खेत में फसल की बुवाई भी की जा सकेगी। कैप्सूल से जमीन की उर्वरा शक्ति भी बढ़ाने में भूमिका निभाएगा। एक कैप्सूल की कीमत मात्र बीस रुपए है। चार कैप्सूल से करीब ढाई एकड़ में पराली प्रबंधन किया जा सकता है। आईसीएआर ने सिरसा की एमडी बॉयोकॉल्ज प्रा. लि. को सौंपी कैप्सूल बेचने की जिम्मेदारी सौंपी है। टोल फ्री नंबर पर कॉल कर किसान कैप्सूल की होम डिलीवरी भी करा सकते हैं। किसानों को कृषि विभाग की ओर से भी कैप्सूल के प्रति जागरूक किया जा रहा है।

जानिए... किस तरह काम करेगा डी कम्पोजर कैप्सूल

कैप्सूल को बनाने में अहम भूमिका निभाने वाली आईसीएआर की प्रधान वैज्ञानिक डा. के अनपूर्णा बताती है कि कैप्सूल जो पराली को खेत में ही नष्ट कर देगा। कैप्सूल को पांच लीटर गुड के घोल में मिलाया जाएगा। इस घोल को पराली में स्प्रे कर दिया जाए तो पराली 15 से 20 दिन के अंदर खेतों में ही गल जाएगी।

पराली जलाने से क्या होता है नुकसान

एचएयू के कुलपति प्रो. समर सिंह के अनुसार, पोषक तत्व की हानि, नाईट्रोजन, सल्फर, फास्फोरस, पोटाश व मिट्टी में मौजूद जैविक तत्व नष्ट होते है, जीवों गैसे जैसे कार्बन डाइआक्साइड, कार्बन मोनोआक्साइड, ऑक्साइड उत्सर्जित होती है।

एमडी बॉयोकॉल्ज प्रा. लि. के मैनेजिंग डायरेक्टर नरेश सेठी एवं डायरेक्टर मार्केटिंग राजेश सचदेवा ने बताया कि कैप्सूल की होम डिलीवरी भी शुरू करा दी है। टोल फ्री नंबर 18005723828 पर कॉल कर कैप्सूल को प्राप्त किया जा सकता है।

सोशल मीडिया के माध्यम से भी किसानों को दी जा रही जानकारी

आईसीएआर की प्रधान वैज्ञानिक डा. के अनपूर्णा ने बताया कि पराली प्रबंधन बहुत ही जरूरी है। पराली जलाने से जहां सांस रोगियों को दिक्कत होती है। वहीं पर्यावरण भी प्रदूषित होता है। सोशल मीड़िया के माध्यम से भी किसानों को कैप्सूल के बारे में जानकारी दी जा रही है।

एक टन पराली जलाने से कितनी जहरीली गैसे उत्सर्जित होती है

कार्बन डाई ऑक्साइड	1515 किलोग्राम
कार्बन मोनो आक्साइड	92 किलोग्राम
नाईट्रस आक्साइड	3.8 किलोग्राम
सल्फर डाई ऑक्साइड	0.4 किलोग्राम
मीथेन	2.7 किलोग्राम
गैर मीथेन ज्वलनशील तत्व	15.7 किलोग्राम

पराली जलाने से पोषक तत्व की हानि

पोषक तत्व	हानि %में	पोषक तत्व	हानि %में
नाईट्रोजन	89.2	पौटेशियम	19.9
फास्फोरस	5.5	सल्फर	20.5